



चित्रकला
(विषय कोड-20)

इकाई-1: दृश्यकलाओं के मूल आधार एवं सामान्य लक्षण :

- दृश्य कलाओं के मौलिक गुण
- चित्र-संयोजन के मुख्य अंग एवं उनकी सार्थकता
- कलाओं का वर्गीकरण एवं अन्तर्सम्बन्ध
- भारतीय चित्रकला-षडंग

इकाई-2: चित्र, म्यूरल, टैक्सटाइल डिजायन एवं प्रिन्टमेकिंग के निर्माण की पद्धति एवं सामग्री :

- पारम्परिक एवं आधुनिक माध्यम
- माध्यम : उपयोग के अविष्कार
- रूपान्तरण एवं विकास
- अलग-अलग सामग्री एवं पद्धतियाँ

इकाई-3: चित्र, म्यूरल, टैक्सटाइल डिजायन एवं प्रिन्टमेकिंग की निर्मिति में पारम्परिक एवं आधुनिक तकनीकों की :

- साधन, प्रक्रिया एवं कार्य प्रणाली

इकाई-4: भारतीय एवं योरोपीय प्रागैतिहासिक चित्रकला का औचित्य एवं सिंधु-घाटी सभ्यता का अप्रितम सौन्दर्य ।

इकाई-5: अजन्ता, बाघ एवं उत्तर कालीन म्यूरल की परिपाटी तथा पाल, अपभ्रन्श, काश्मीर, दक्कन, राजस्थान पहाड़ी एवं सिख-चित्रशैली का अभिसामयिक एवं शैलीगत अध्ययन ।

इकाई-6: भारतीय सौन्दर्यशास्त्र के चिन्तन का औचित्य एवं सौन्दर्य की अवधारणा :

- ध्वनि, अलंकार, चित्र सूत्र, चित्रलक्षण, विष्णुधर्मोत्तर एवं वृहतसंहिता की संधारणा तथा ए०के० कुमारस्वामी एवं रवीन्द्र नाथ ठाकुर का कला-विवेचन ।
- सौम्यता, कला एवं सौन्दर्यशास्त्र के प्रति पाश्चात्य दार्शनिक-मत : प्लेटो, अरस्तू, कान्ट, हीगेल शापेन हावर, टालस्टाय, क्रोचे, क्लायवूबेल, राजर - सुजेन लैंगर,- हरबर्टरीड ।

इकाई-7: योरोपीय कला, कलाकार एवं चित्रकला के युगांतकारी केन्द्र : मिस्त्र, क्रीट, ग्रीस, आरंभिक इसाईकला रोको को एवं रोमनस्क शैली

इकाई-8: भारतीय आधुनिक चित्रकला का परिप्रेक्ष्य :

कम्पनी, राजा रवि वर्मा, बंगाल का पुर्नजागरण काल आरंभिक अधुनातन कलाकार, दिल्ली एवं बम्बई के प्रगतिवादी कला आन्दोलन, एवं कला के अन्य नव्य आन्दोलन तथा इनके माध्यम, कलर शैली तथा भिन्न-भिन्न क्षेत्रों में तत्संबंधी कलाकारों का वैयक्तिक योगदान ।

इकाई-9: पश्चिम में 19वीं एवं 20वीं शती की कला, कलाकार एवं आधुनिकता से ओत-प्रेत विकास

युरोप के विभिन्न अंचलों में फैले हुये कला-आन्दोलन, शैलीगत पहिचान एवं कलाकारों के निजि योगदान की कला-यात्रा-समकालीन कला तक :
नव शास्त्रीयता वाद, यथार्थ वाद, रोमन्टिसिज्म, प्रभाववाद, फाववाद घनवाद, अभिव्यञ्जना वाद, दादावाद, अतियथार्थ वाद, भविष्य वाद, अमूर्त कला, पौप-कला, औप-आर्ट एवं सुपर रीयलिज्म ।

इकाई-10: भारतीय जनजातीय लोक कला एवं जनप्रिय कला तथा शिल्प के अध्ययन की प्रासंगिकता- इनके रूपाकार, तकनीक विधान, अंतर्वस्तु एवं संकल्पना के विशेष सन्दर्भ में ।

ART/DRAWING & PAINTING

(Subject Code-20)

UNIT- I : General Characteristics and the Foundations of Visual Arts.

- Fundamentals of Visual Art.
- Importance and the Components of Pictorial Composition.
- Inter-relationship and the Classification of Arts.
- Six Limbs of Indian Painting

UNIT- II: Materials and Methods in making Painting, Mural, Textile Design and Printmaking.

- Traditional and Modern Mediums .
- Inventions, adaptations and development of the mediums and their use.
- Application of different Materials and Methods.

UNIT-III: Modes of Traditional and Modern Techniques, Processes and Procedures used in making, Painting, Murals, Textile Design and Print Making.

UNIT- IV: Relevance of Indian as well as European Pre-Historic Paintings and the glory of Indus Valley Civilisation- A study in formal and stylistic aspects.

UNIT- V : Conventional and Stylistic aspects of Ajanta, Bagh and later mural- traditions, and Pal, Apbhransha, Kashmir, Deccan, Rajasthan, Mughal , Pahari and Sikh painting.

UNIT- VI : Relevance of the study of Indian Aesthetics: the concept of Beauty:

- Dhvani, Alamkara, Chitra Sutra, Chitra Lakshnan, Vishnu Dharmottar and Brihat-Samhita, and Thoughts on art , of A. K. Coomaraswamy and Ravindra Nath Tagore.
- Western approach to Beauty, Art, and Aesthetics :- Plato, Aristotle, Kant, Hegal, Shopenhaur, Tolstoy, Croce, Clibe Bell, Roger Fry, Sussane Langer, Freud, Herbert Read.

UNIT-VII : Landmarks of Art ,Artists and the Painting in Europe:- Egypt, Crete, Greece, Early Christian Art, Byzantine, Early Renaissance, High Renaissance, Gothic, Baroque, Rococo, and Romanesque.

UNIT-VIII : Background of Modern Painting in India :- Company, Raja Ravi Verma, Bengal Revivalism and Early Modernists, Progressive Art Movements in Delhi, Bombay, and various art-movements, medium and styles and individual artist's contributions in different regions.

UNIT- IX : Art, Artists and the Development of Modernity in the West during 19th and 20th century, With reference to various movements, styles and individual artist's contribution in different regions of Europe till the Contemporary period :- Neo-Classicism, Realism, Romanticism, Impressionism, Fauvism, Cubism, Expressionism, Dadaism, Surrealism, Futurism, Abstract Art, Pop-Art, Op Art and Super Realism.

UNIT- X : The significance of the study of Indian Tribal, Folk, and popular Arts and Crafts, from the point of Form, Technique, Contents and Concepts.